सामाजिक पर्यावरण का सर्वव्यापी अंग–प्रिंट मीडिया

प्रो. (डॉ.) अमर ज्योति सिंह
प्रो. (डॉ.) अमर बहादुर सिंह

प्रिंट मीडिया में सामुदायिक विकास, सरकारी समितियाँ, ग्रामीण बैंक, पंचायती व्यवस्था, प्रौढ़ शिक्षा, साक्षरता मिशन, कृषि संबंधी सुविधायें, सरकारी ऋण–व्यवस्था, कुटीर उद्योग–धन्धों को प्रोत्साहन, सिंचाई और बिजली की सुविधाओं संबंधी सूचना प्रदान की जाती है, जो सामाजिक–आर्थिक विकास में कारगर हैं। सामाजिक–आर्थिक पिछड़ेपन में अशिक्षा, पिछड़ापन, बेरोजगारी, सामाजिक कुरीतियाँ, अल्पआय आदि महत्वपूर्ण कारक हैं। इनके निवारण में प्रिंट मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।